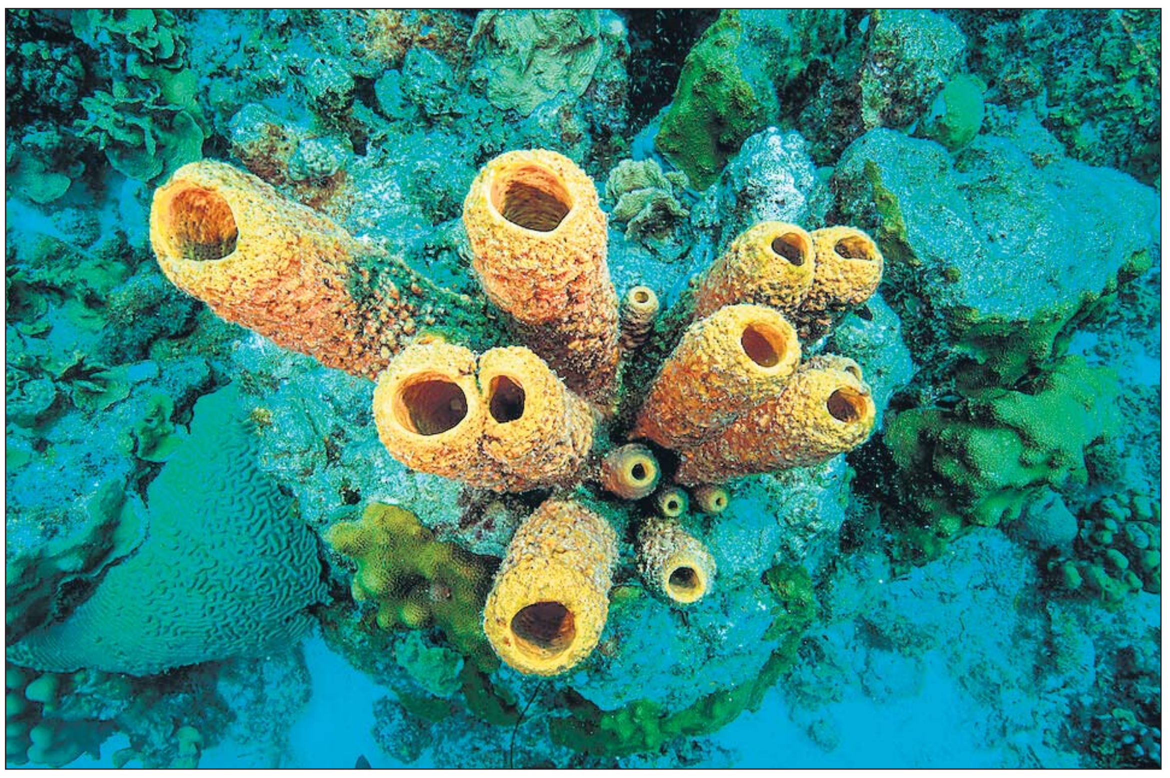

छींक जीवन को बदल सकती है, इस तीव्र प्रतिक्रिया से नाक से म्यूकस, पानी व अन्य दूषित तत्व निकल जाते हैं और सांस लेना आसान हो जाता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि सी स्पाँज भी अपने आंतरिक फिल्टर सिस्टम को साफ करने के लिए छींकते हैं। स्पाँज सबसे पुराने बहुकोशिकीय जीवों में से एक हैं, और अक्वैटिक इकोसिस्टम में पोषक तत्वों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में अहम् भूमिका निभाते हैं। छींकने से उन्हें, पानी से पोषक तत्व ग्रहण करने वाले अपने सिस्टम को साफ करने में मदद मिलती है। अभी तक वैज्ञानिकों को यही लगता था कि, वे अपने शरीर के कुछ भागों को खोलकर कचरा बाहर निकालते हैं। शोध लेखक और युनिवर्सिटी ऑफ एल्बर्टा, एडमॉन्टन में जीव विज्ञान की प्रोफेसर सैली लेज़ ने कहा कि, ''आमतौर पर आप सोच सकते हैं कि कचरा उस बड़े छिद्र (ऑस्कुलम) से बाहर निकाला जाता होगा, जिससे स्पाँज पानी भी बाहर निकालते हैं, पर मेरे साथियों ने जब इसे गौर से देखा तो पाया कि ऑस्कुलम से ज्यादा कचरा बाहर नहीं निकल रहा है।'' शोधकर्ताओं ने करीबिअन ट्यूब स्पाँज एप्लीसिना आर्चरी और एक इण्डो पैसिफिक प्रजाति के स्पाँज के वीडियो बनाए और उनका विश्लेषण किया। वीडियो से पता चला कि स्पाँज की सतह पर म्यूकस एकत्रित हो रहा था। वरिष्ठ शोध लेखक जैस्पर डे गोजी, जो युनिवर्सिटी ऑफ एम्सटर्डम में जीव वैज्ञानिक हैं, ने कहा, हमारे आंकड़े कहते हैं कि छींकना एक अनुकूलन है, जो स्पाँज ने खुद को साफ रखने के लिए विकसित किया है। पर एक बात है, स्पाँज इंसान की तरह नहीं छींकते, उन्हें छींकने में आधा घंटा लगता है। जर्नल करंट बायॉलजी में छपे इस शोध के प्रथम लेखक निकलस कॉर्नडर ने कहा, स्पाँज जो म्यूक्स बाहर निकालते हैं वह मछलियों तथा अन्य जीवों का भोजन होता है। यह शोध इकोसिस्टम पर स्पाँज के महत्व को दर्शाता है।

सफल राजनयिक थे राव इन्दरजीत सिंह मसूदा

- मसूदा के ठिकानेदार राव इन्दरजीत सिंह का शनिवार को जयपुर में अंतिम संस्कार किया जाएगा, उनका गुरुवार को निधन हो गया था।
- उनके पुत्र पार्थ सारथी सिंह अमेरिका में बैंकर हैं, उनके आने के बाद ही अंतिम संस्कार किया जाएगा।
- 81 वर्षीय राव इन्दरजीत सिंह मैडागास्कर, यू.ए.ई., ओमान और मोरॉक्को में भारत के राजदूत रहे थे तथा कला, संस्कृति, इतिहास व दर्शन शास्त्र के विद्वान थे।

-प्रकाश भण्डारी-

जयपुर। पूर्व राजनयिक और अजमेर जिले के मेड़तिया राठौड़ मसूदा ठिकाने के पूर्व राव इन्दरजीत सिंह का यहाँ गुरूवार को निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार जो शुक्रवार प्रातः होना था उनके पुत्र पार्थसारथी सिंह के विदेश से विलम्ब से पहुंचने के कारण अब कल प्रातः लाल कोठी श्मशान में प्रातः 10 बजे होगा। राव इन्दरजीत सिंह के पिता रावनारायण सिंह मसूदा कांग्रेस नेता और मोहन लाल सुखाड़िया और बरकतउल्ला खाँ मंत्रिमण्डल में मंत्री थे। उनकी माता उर्मिला देवी मसूदा राज्य समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष रहीं। राव इन्दरजीत सिंह भरापूरा परिवार छोड़ गए।

राव इन्दरजीत सिंह 81 वर्ष के थे और वह भारतीय विदेश सेवा में कार्यरत रहते हुए मैडागास्कर, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और मोरक्को में भारत के राजदूत रहे। वह आस्ट्रेलिया में भारतीय उच्चायोग के अन्तर्गत सिडनी में कंसल जनरल भी रहे।

मसूदा इस्तीमरारी ठिकाना की श्रेणी में आता था और सीधे अजमेर में ब्रिटिश सरकार के शासन में आता था। यह परिवार आजादी के बाद कांग्रेस में सक्रिय हो गया और राव नारायण सिंह अजमेर और तत्कालीन मेरवाड़ा के प्रमुख नेताओं में से एक थे। इसी परिवार में इन्दरसिंह का जन्म हुआ।

राव इन्दरजीत सिंह

उनकी शिक्षा अजमेर के मेयो कॉलेज में हुई जहाँ वह पढ़ाई के साथ-साथ नाटक और डिबेट में गहन रूचि रखते थे। इन्दरसिंह ने मेयोकॉलेज से सीनियर कैम्ब्रिज की पढ़ाई पूरी कर दिल्ली के प्रसिद्ध सेन्ट स्टीफन्स कॉलेज से कला में स्नास्तक की डिग्री हासिल की। इसके बाद वह 1964 में केन्द्रीय लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विसेज परीक्षण में सफल शीर्ष अभ्यार्थियों में से एक रहे। उस समय जब भारतीय विदेश सेवा में प्रवेश बड़ी कठिनाई से हो पाता था, इन्दरजीत सिंह उदयपुर के शिक्षाविद् और पाकिस्तान तथा नीदरलैण्ड में भारत के राजदूत रहे मोहन सिंह मेहता के पुत्र जगत मेहता के बाद विदेश सेवा में चुने जाने वाले राजस्थान के दूसरे व्यक्ति थे। आगे चलकर जगत मेहता, विदेश सचिव बने।

इन्दरजीत सिंह को विदेश सेवा में रहते हुए अपनी राजनयिक चतुराई और मृदुल व्यवहार के कारण बहुत लोकप्रियता मिली। कोटा की भारतीय विदेश सेवा में भारत की फ्रांस, पेरू और बोलिविया के अलावा संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रही सावित्री कुन्हाड़ी ने कहा कि इन्दरजीत सिंह शुरू से ही कुशाग्र राजनीयिक रहे और वह जिस देश में भी राजदूत रहे उस देश के भारत से मजबूत सम्बन्ध बनाने उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संयुक्त अरब अमीरात में जब वह भारत के राजदूत थे तो दोनों देशों के बीच जिस मजबूत रिश्ते की उन्होंने नींव रखी, वह आज भारत को लाभ दे रहा है।

इन्दरजीत कला, संस्कृति, इतिहास और दर्शनशास्त्र के अलावा विभिन्न धर्मों के ज्ञाता थे। उन्होंने अपने पिता की भागवत गीता पर लिखी पुस्तक ''इन्ट्रोस्पेक्शन ऑन गीता'' का सम्पादन किया और यह पुस्तक गीता अध्यन के लिए उत्तम पुस्तकों की गिनती में आती है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे के अनुरोध पर उन्होंने जयपुर के अलबर्ट हॉल म्यूजिम की कायापलट करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उसे निखारने और प्रोन्नत करने में सफल रहे।

वह स्थापत्य और वास्तुकला के भी जानकार थे। पूर्व मुख्य सचिव और आमेर धरोहर संवर्धन और प्रोन्नति प्राधिकरण (ए.डी.एम.ए) के पूर्व चेयरमैन सलाउद्दीन अहमद ने उनके निधन पर अमेरिका के मैम्फीस शहर से संवेदना व्यक्त करते हुए उनकी प्राधिकरण को दिए गए मार्गदर्शन को प्रशंसा की।

पंजाब के पूर्व राज्यपाल और पूर्व सांसद तथा मंत्री वी.पी.सिंह बदनोर ने स्वर्गीय इन्दरजीत सिंह को श्रद्धाजंलि देते हुए उन्हें एक योग्य राजनयिक और कई विधाओं का ज्ञाता बताया।

स्वर्गीय इन्दरजीत सिंह का विवाह दिल्ली की अमृता वर्मा से हुआ था। उनके पुत्र, पार्थसारथी सिंह, अमेरिका में बैंकर हैं और पुत्री मीरा कुमारी का विवाह बनारस राजपरिवार के कन्दर्प सिंह से हुआ है।

'पार्षदों को अयोग्य घोषित करने के लिए जारी नहीं करेंगे अधिसूचना'

राज्य सरकार ने हाई कोर्ट में अंडर टेकिंग दी

- हाई कोर्ट में ग्रेटर नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव के साथ अभद्रता के आरोपी तीन पार्षदों के मुद्दे पर सुनवाई चल रही है।
- आरोपी पार्षदों ने कहा कि, उनके खिलाफ नियमानुसार जांच नहीं हुई और उन्हें दोषी करार दिया गया अब सरकार उनकी नियुक्ति रद्द करने के लिए अधिसूचना जारी कर सकती है।

जयपुर, 16 सितंबर (का.सं.)। ग्रेटर नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त यज्ञ मित्र सिंह देव से अभद्रता से जुड़े मामले में आरोपी तीन पार्षदों पर राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अंडरटेकिंग दी है। अदालत ने राज्य सरकार को इस मामले में जवाब पेश करने के लिए 13 अक्टूबर तक का समय दिया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने पार्षद अजय सिंह, शंकर शर्मा और पारस जैन के खिलाफ जारी उस सरकारी अधिसूचना पर भी अंतरिम रोक लगाई गई। जिसके तहत उनकी नियुक्ति को खारिज किया जाना है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता ने आग्रह किया कि अदालत उन्हें मौखिक आदेश दे दे कि याचिका पर अगली तारीख तक नगर पालिका अधिनियम की धारा 39 (7) के तहत आरोपी पार्षदों को अयोग्य घोषित करने के लिये अधिसूचना जारी नहीं की जाए। उन्होंने अदालत से जवाब दायर करने के लिये समय भी मांगा। वहीं याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन. माथुर ने अदालत को कहा कि ऐसे मामलों में मौखिक आदेश नहीं दिये जा सकते क्योंकि राज्य सरकार किसी भी समय, अगली तारीख से पहले, इन पार्षदों को अयोग्य घोषित करने के लिये अधिसूचना जारी कर सकती है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे ही मामलों में आदेश दिये हैं कि अदालत को लिखित में ही आदेश पारित करने चाहिये।

याचिकाओं में कहा गया कि याचिकाकर्ताओं के खिलाफ प्रारंभिक जांच के आधार पर की गई न्यायिक जांच में उन्हें दोषी माना गया था। जबकि प्रारंभिक जांच की नियमानुसार नहीं की गई। प्रारंभिक जांच के दौरान उन्हें सुनवाई का मौका नहीं दिया और सिर्फ दो दिन में ही जांच पूरी कर ली गई, इसके अलावा प्रारंभिक जांच राजनीतिक द्वेष से प्रेरित थी।

याचिका में कहा गया है कि जब प्रारंभिक जांच ही गलत थी तो उसके आधार पर की गई न्यायिक जांच में उन्हें दोषी नहीं माना जा सकता। वहीं राज्य सरकार ने जवाब पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा है। इस पर याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि राज्य सरकार इस अवधि में नए चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने के साथ ही उन्हें अयोग्य घोषित करने के लिए अधिसूचना भी जारी कर देगी। अदालत के पूछने पर एएजी ने कहा कि उन्हें मामले में धारा 39(7) के तहत अधिसूचना जारी करने के संबंध में जानकारी नहीं है। अदालत की ओर से मामले में स्टे देने की मंशा जताने पर एएजी ने कहा कि आगामी सुनवाई तक धारा 39(7) के तहत अयोग्यता को लेकर अधिसूचना जारी नहीं की जाएगी।

मोदी और जिनपिंग के बीच समरकंद में दूरियाँ साफ नज़र आईं

दोनों नेताओं ने ना तो एक-दूसरे का अभिवादन किया और ना ही हाथ मिलाया

- गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच 2020 में हुई झड़प के बाद यह पहला मौका था, जब दोनों नेता एक मंच पर आमने-सामने थे। लेकिन यह नजदीकी भी दिलों की दूरियां शायद नहीं मिटा पाई और दोनों नेता औपचारिक मुलाकात से भी बचते दिखे।
- एस.सी.ओ. समिट के मंच पर प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग अगल-बगल ही खड़े दिखे, लेकिन दोनों ने हाथ तक नहीं मिलाए और न ही मुस्कुराए।

समरकंद, 17 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग जब शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर दिखे तो दूरिया भी साफ नजर आईं। दोनों नेताओं न तो हाथ मिलाया और न ही चेहरे पर कोई मुस्कान थी। उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के राष्ट्रपति से उचित दूरी बनाते हुए दिखे। गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच 2020 में हुई झड़प के बाद यह पहला मौका था, जब दोनों नेता एक मंच पर आमने-सामने थे। लेकिन यह नजदीकी भी दिलों की दूरियां शायद नहीं मिटा पाई और दोनों नेता औपचारिक मुलाकात से भी बचते दिखे।

भारत और चीन के बीच लंबे समय से सीमा पर तनाव चला आ रहा है और इसका साफ असर एससीओ के मंच पर भी दिखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुरुवार को ही शंघाई समिट में पहुंचना था, लेकिन वह डिनर पर नहीं पहुंचे। वह शुक्रवार को समिट से ठीक पहले ही पहुंचे। सालाना समिट के मंच पर प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग अगल-बगल ही खड़े दिखे, लेकिन दोनों ने हाथ तक नहीं मिलाए और न ही मुस्कुराए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ समेत कई देशों के नेता इस समिट में हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात नहीं की है।

पी.सी.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नागर के बेटे विकास, विराट नगर से मनीष यादव और विधायक इंद्राज गुर्जर, शाहपुरा से बंजर भूमि विकास बोर्ड के अध्यक्ष संदीप चौधरी और निर्दलीय विधायक आलोक बेनीवाल की पत्नी सविता बेनीवाल, चाकसू से हरी चौधरी और विधायक वेद प्रकाश सोलंकी का नाम है। लेकिन सोलंकी का कहना है कि एक ब्लॉक से शिवप्रसाद हरसाना को पीसीसी डैलिगेट बनाया गया है। वहीं कोटपूतली से मंत्री, राजेंद्र यादव ने अपने पुत्र का नाम पीसीसी डैलिगेट के लिए दिया है।

टोंक जिले में देवली उनियारा से हरीश मीणा और राजेश चौधरी, निवाई से प्रशांत बैरवा और ब्रह्म प्रकाश गुर्जर, टोडारायसिंह से रामविलास चौधरी और सरोज गुर्जर तथा टोंक से सचिन पायलट और सईद सऊदी पीसीसी डैलिगेट बने हैं।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान गिरफ्तार

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने करीब आठ घंटे की पूछताछ के बाद आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्लाह खान को गिरफ्तार कर लिया है।

एसीबी ने आप विधायक को दिल्ली वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार मामले में आज छापेमारी के दौरान उनके खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री और सबूतों की बरामदगी के आधार पर गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक, आप विधायक के खिलाफ वर्ष 2020 में मामला दर्ज किया गया था, जिसका एफआईआर नंबर 5/2020 है। उनके खिलाफ धारा 7/13 पीसी एक्ट 1988 (संशोधित 2018) धारा 409 तथा 120 बी आईपीसी पुलिस स्टेशन एसीबी है।

समरकंद में सबसे पहले मोदी से मिले पुतिन

- प्र.मंत्री मोदी ने यूक्रेन से संघर्ष खत्म करने की अपील की तो पुतिन ने कहा, हम आपकी सीख का पूर्ण सम्मान करते हैं और हम भी शांति स्थापित करने के प्रयास में हैं।

समरकंद, 16 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को शंघाई कॉरपोरेशन ऑर्गनाइजेशन (एस.सी.ओ.)शिखर सम्मेलन की बैठक से इतर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। यूक्रेन युद्ध के बाद दोनों नेताओं की यह आमने सामने होने वाली पहली मुलाकात रही। इस बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और व्लादिमीर पुतिन ने कई ज्वलंत मुद्दों पर बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से युद्ध खत्म करने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह युद्ध का समय नहीं है। यह वक्त वैश्विक चिंताओं (भोजन, उर्वरक और ईंधन सुरक्षा) पर गौर करने का है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एससीओ के दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा की स्थिति और व्यापार एवं संपर्क बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी और पुतिन की बैठक के दौरान यूक्रेन युद्ध का मुद्दा भी उठा। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि वे भारत चिंताओं से अवगत हैं। उन्होंने कहा कि वे यूक्रेन संघर्ष को जल्द खत्म करना चाहते हैं।

क्वीन ऐलिज़बैथ के अंतिम दर्शन नहीं करने दिये जायेंगे चीन के संसदीय प्रतिनिधिमण्डल को

ब्रिटेन की सरकार ने यह कदम उठाया, इसके अलावा ब्रिटेन के सांसदों ने चीन को न्योता भेजे जाने पर भी कड़ी नाराजगी जाहिर की

लंदन, 16 सितंबर (वार्ता)। चीन सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल को ब्रिटेन संसद के वेस्टमिंस्टर हॉल में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है, जहां पर महारानी एलिजाबेथ (द्वितीय) का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है।

बीबीसी के अनुसार ऐसा माना जा रहा है कि हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर सर लिंडसे हॉयल ने चीन की ओर से पिछले साल ब्रिटेन के सात सांसदों समेत नौ नागरिकों के चीन में प्रतिबंध और उनकी संपत्ति सील करने के कदम की प्रतिक्रिया स्वरूप वेस्टमिंस्टर हॉल में प्रवेश के चीन के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।

स्पीकर के कार्यालय ने बीबीसी को बताया कि हॉयल ने सुरक्षा मामलों के कारण इस विषय पर टिप्पणी नहीं की। इस बीच, चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने प्रतिबंध के बारे में कोई रिपोर्ट नहीं देखी है, जो पहली बार पोलिटिको वेबसाइट पर सामने आई थी।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, एक मेजबान के रूप में, ब्रिटेन निश्चित रूप से राजनयिक प्रोटोकॉल और मेहमानों को प्राप्त करने के उचित तरीके से परिचित है।

बीबीसी ने कहा, ब्रिटेन की ओर से चीन पर उइगर मुसलमानों के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाने को लेकर पिछले साल चीन ने सात सांसदों सहित नौ नागरिकों की यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया था और उनकी संपत्ति जब्त कर दी थी। इसके कारण ब्रिटेन में चीन के राजदूत का संसद में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया। इसकी आंच अब एक प्रतिनिधिमंडल पर आ गयी जो है जो महारानी एलिजाबेथ का अंतिम दर्शन करके उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट करना चाहता है।

ब्रिटेन और चीन के संबंध पहले से ही तनावपूर्ण हैं और इस प्रतिबंध से उनके संबंधों में कुछ नया नहीं होने वाला है। चीन के उपराष्ट्रपति के हालांकि सोमवार को महारानी के अंतिम संस्कार में शामिल होने की उम्मीद है। ब्रिटेन के कुछ सांसदों ने चीन को उइगर अल्पसंख्यक नरसंहार का 'जनक' करार देते हुए महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए भेजे गये निमंत्रण को वापस लिए जाने की मांग की है और कहा है कि इस कम्युनिस्ट देश को आमंत्रित करना बेहद हैरान करने वाला कदम है।

यूरोप में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सबसे ज्यादा स्तंभित कर देने वाली बात यह रही कि नव-नाज़ी जड़ों वाली पार्टी स्वीडन डेमोक्रेट्स इन चुनावों पर दूसरे स्थान पर रही। न्यूयॉर्क टाइम्स का कहना है कि यह पार्टी सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा तो नहीं रहेगी, लेकिन ऐसी आशा जरूर है कि इसका सत्तारूढ़ गठबंधन पर जबरदस्त प्रभाव रहेगा। अमांडा ताऊब ने ''द इन्टरप्रेटर'' में लिखा है, ''यह जीत हर देश का ध्यान खींचेगी, स्वीडन का ध्यान तो खासतौर से खींचेगी, जो समता मूलक सामाजिक लोकतांत्रिक देश है। यह जीत वर्तमान चलन का हिस्सा है। स्वीडन ऐसा ताजातरीन यूरोपीय लोकतंत्र है, जो फ्रांस, जर्मनी, फिनलैंड, डेनमार्क, ऑस्ट्रिया एस्टोनिया आदि की जमात में शामिल हो गया है, जिनकी धुर दक्षिणपंथी पार्टियों का निरन्तर मतदाताओं पर प्रभाव बढ़ रहा है। इटली में भी फासीवादी जड़ों वाली दक्षिणपंथी पार्टी की जॉर्जिया मैलोनी अगली प्रधानमंत्री बन सकती हैं।

तेलंगाना, आंध्र, कर्नाटक व तमिलनाडू...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिल्ली में बैठे हैं, वे उनके खिलाफ झूठ फैला रहे है और इसके पीछे राजनैतिक कारण है। उन्होंने टी.वी. पर इस बात से भी इन्कार किया कि उसे ई.डी. से कोई सम्मन मिला है।

रोचक बात यह है कि कविता के पिता के.सी.आर. ने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी पर सीधे हमला बोला है और उन्होंने लोकसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ मोर्चा बनाने के लिए विपक्षी नेताओं के साथ मेल मुलाकातें भी शुरु कर दी हैं। वे देश का दौरा कर रहे हैं और इस संबंध में अलग-अलग विपक्षी नेताओं से मिल रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के राजनैतिक हल्कों में हैरानी जताई गई है कि वाय.एस.आर.सी.पी. के रसूखदार सदस्य पर रेड क्यों की गई है क्या इसके पीछे कोई राजनीति है।

क्या यह फिल्म स्तर जूनियर एन.टी.आर. और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच हुई मुलाकात का कोई नतीजा है। ज्ञातव्य है कि अमित शाह ने हालिया हैदराबाद यात्रा में जूनियर एन.टी.आर. के साथ आधा घंटा बात की थी।

भाजपा आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में घुसने की भरसकर कोशिश कर रही है। जहां तेलंगाना में भाजपा ने चार सीटें जीती थी पर आंध्र में इसे कुछ नहीं मिला और वहां पार्टी संगठन भी नहीं है।

पर इस बार भाजपा का सर्वोच्च नेतृत्व आंध्र प्रदेश में भी कदम जमाने के गंभीर प्रयास कर रहा है और राजनैतिक विश्लेषक हैरान हैं कि क्या ई.डी. के एक्शन में सत्तारूढ़ वाय.एस.आर.सी.पी. के लिए कोई राजनैतिक संदेश है और क्या यह संदेश है कि भाजपा तेलगुदेसम पार्टी के साथ गठजोड़ कर सकती है।

संयोग वश तेलगुदेसम भाजपा की पूर्व में भी सहयोगी पार्टी रही है और 2018 में इसने एन.डी.ए. छोड़ा था तथा आंध्र में सत्तारूढ़ जगन मोहन रेड्डी का मुकाबला करने के लिए यह केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा से गठबंधन करने की संभावना तलाश रही है।

आंध्र के राजनैतिक विश्लेषक मानते हैं कि जूनियर एन.टी.आर. जो जाने माने फिल्म स्टार और तेलुगूदेशम के संस्थापक एन.टी.अर. के पौत्र हैं, इस तरह की व्यवस्था कर सकते हैं। उन्होंने पिछली बार राज्य में तेलुगूदेसम पार्टी का प्रचार भी किया था।

उपाध्याय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की संभावना है। याचिका में कहा गया है कि भारतीय संघ के प्रत्येक राज्य में वैधानिक वक्फ बोर्ड है, जो वक्फ की संपूर्ण संस्था मूल हैं तथा उनकी वर्तमान याचिका में की गई प्रार्थना का असर पूरे देश के वक्फ के स्थापित तंत्र में उथल-पुथल पैदा करने वाला हो सकता है। याचिका में आगे कहा गया है कि उपाध्याय ने यह कहकर अदालत को भी गुमराह किया है कि वक्फ एक्ट निरुद्देश्य एवं अकारण अस्तित्व में है, क्योंकि 1995 के एक्ट में ''उद्देश्यों एवं कारणों का कथन'' विस्तृत रूप से मौजूद है तथा 1995 का यह एक्ट इसकी पृष्ठभूमि, प्रयोजन तथा विशेषता पर पर्याप्त प्रकाश डालता है।

वैवाहिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जहां न्यायमूर्ति शकधर ने कानून की उस छूट को रद्द करने का पक्ष लिया था, जिसमें पतियों, उनकी पत्नियों के साथ गैर-सहमतिपरक सम्भोग करने पर अभियोग चलाये जाने से मुक्त रखा गया था, जबकि न्यायमूर्ति सी. हरिशंकर ने इसे असंवैधानिक मानने से इनकार कर दिया था।

आई.पी.सी. की धारा 375 में दी गई छूट के तहत, किसी पुरुष के उसकी पत्नी के साथ किया गया सम्भोग दुष्कर्म नहीं है, बशर्ते पत्नी नाबालिग न हो। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी तथा बी.वी. नागरत्ना की बैंच ने धारा 375 के अपवाद नं. 2 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केन्द्र को नोटिस भेज दिया। इस छूट में खासतौर से कहा गया है कि अपनी पत्नी के साथ गैर-सहमतिपरक सम्भोग करने वाले पति पर दुष्कर्म का आरोप नहीं लगाया जा सकता।

उच्च न्यायालय का फैसला एन.जी.ओ. ''आर.आई.टी. फाउन्डेशन'' तथा ''ऑल इन्डिया डेमोक्रेटिक वीमैन्स एसोसिएशन द्वारा दायर की गई याचिकाओं पर आया था। इन याचिकाओं में ''भारतीय दुष्कर्म कानून'' के तहत पतियों को दी गई छूट को खत्म किये जाने की मांग की गई थी।

चीन व रूस के संबंधों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसकी यह स्थिति दिन पर दिन बढ़ रही है। रुस के साथ उसकी मित्रता यूरोपीय देशों के साथ उसकी नजदीकी सम्बंधों के मामले में उसे (चीन) बहुत महंगी पड़ी है।

इधर, भारत ने युद्ध को लेकर कभी भी रुस की आलोचना नहीं की थी, और न विभिन्न मुद्दों के समाधान में, भारत ने हिंसा और सैन्य शक्ति के उपयोग का समर्थन ही किया था। इस प्रकार भारत ने दोनों परस्पर विरोधी पक्षों – जिनमें एक तरफ पश्चिम एवं अमेरिका थे तथा दूसरी तरफ रुस – के साथ अपना संवाद बनाये रखने की स्थिति बना ली थी।

दूसरी तरफ, रुस को दिये गये पूर्ववर्ती समर्थन तथा दक्षिण चीन सागर एवं ताइवान और भारत के मिली सीमाओं पर उत्तरोत्तर बढ़ते आक्रामक रुख के कारण, चीन अपनी इच्छित पहुँच एवं सम्पर्कों को गंवा चुका है।

अपने कुछ तौर-तरीकों के चलते, चीन वैश्विक कूटनीतिक माध्यमों के अंदरुनी हल्कों से अलग-थलग बना रहा।

जिस तरह की स्थितियाँ बन गई हैं, वे चीनी राष्ट्रपति के अत्यधिक रुप से प्रतिकूल हैं। ज्ञातव्य है कि वे, पहले से स्थापित मानदंडों का उल्लंघन करते हुये, इस साल नवम्बर में पार्टी कांग्रेस में सर्वोच्च पद पर पुनर्नियुक्ति लेने की निर्णायक कोशिश कर रहे हैं।

अन्य बड़ी ताकतों के साथ अपने रिश्तों में विशिष्ट उपलब्धि हासिल करने, दक्षिण चीन सागर के विशाल क्षेत्र पर चीनी को काबिज करने, अपने देश की जनता को भारत से लगी हिमालयी सीमाओं पर विस्मयकारी जीत हासिल करने, यूक्रेन में स्पष्ट एवं जबरदस्त जीत पाने वाले रुस का समर्थन प्राप्त करने के चीन के वे सारे प्रयास निष्फल हो गये, जो ताइवान पर कब्जा करने के लिये ताकत के इस्तेमाल के मामले में चीन की स्थिति को बेहतर बना सकते थे।

चीन और रुस- दोनों ही देशों के सर्वोच्च नेता दलदल में फंसे हुये हैं, जिससे बाहर निकलने के लिये वे औचित्यपूर्ण तरीके तलाश करने के लिये हाथ-पैर मार रहे हैं। जहाँ तक भारत का प्रश्न है, समरकंद सम्मेलन से उसे मिलने वाले विकल्प निराशाजनक नहीं हैं।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908